मोनू बछड़ा

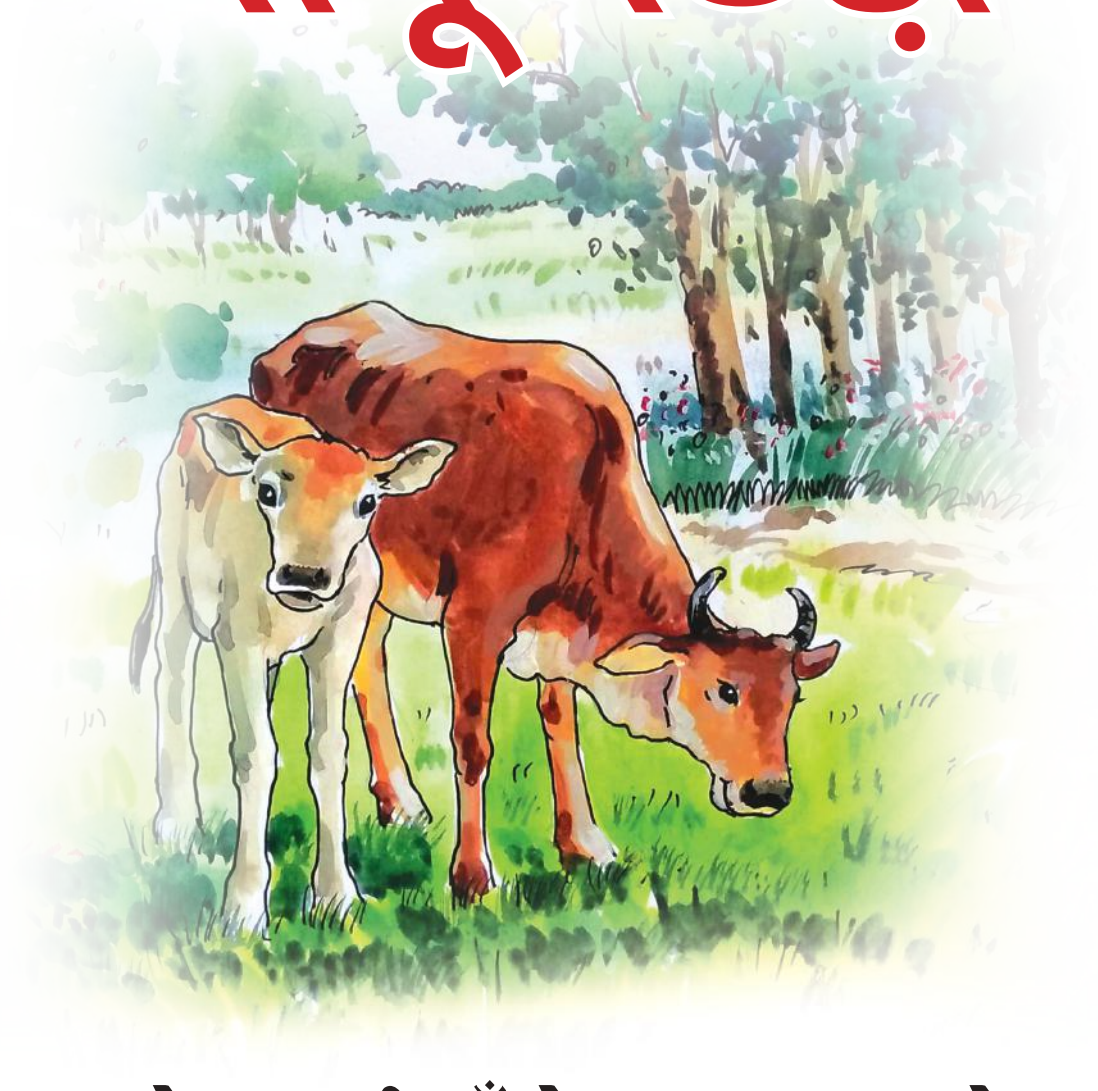

मोनू बछड़ा रोज़ अपनी माँ के साथ घास चरने जाता। उसे पक्षियों की आवाज़ सुनना बहुत पसंद था। वह हमेशा उन आवाज़ों का पीछा करता। एक दिन पक्षियों की आवाज़ का पीछा करते-करते वह खो गया। वह वापस जाने का रास्ता भूल चुका था।

उसे माँ की याद आने लगी। उसने एक कोयल की आवाज़ सुनी। कोयल ने उससे कहा– ‘‘तुम मेरी आवाज़ का पीछा करो।’’ मोनू कोयल की आवाज़ का पीछा करने लगा। पीछा करते-करते वह अपनी माँ के पास पहुँच गया।

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

HSSPP

Designed by www.stelladesignandprint.com